http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 163

प्रयागराज शुक्रवार 28 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

महाकुंभ में रेलवे ने रचा इतिहासः अश्विनी वैष्णव

प्रयागराज। केंद्रीय मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी अश्विनी वैष्णव ने महाकुम्भ–2025 के आयोजन के उपरांत प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों का दौरा किया। केंद्रीय रेल मंत्री ने दौरे की शुरुआत में प्रयागराज जंक्शन के यात्री आश्रय संख्या –3 के निकट स्थित के मेडिकल ऑब्जर्वेशन कक्ष का निरीक्षण किया तत्पश्चात यात्री आश्रय संख्या –3 में प्रेस वार्ता में मीडिया कर्मियों को संबोधित किया । इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री ने महाकुम्भ–2025 में आए श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए रेल कर्मचारियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की । केंद्रीय रेल मंत्री ने रेल कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि स्टेशन पर सभी विभागों के कर्मचारियों ने एकजुट दिन–रात कार्य करके महाकुंभ –2025 के आयोजन को सफल बनाया । महाकुंभ –2025 में अलग–अलग राज्यों और अलग–अलग क्षेत्रीय रेलवे से आए कर्मचारियों ने प्रयागराज के 9 स्टेशनों पर श्रद्धालुओं के लिए सेवभाव से कार्य किया है, इस सफल आयोजन के लिए सभी बधाई के पात्र हैं।केंद्रीय रेल मंत्री ने प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ –2025 के दौरान 16000 से अधिक ट्रेनें चलायी गयी हैं जो अपने आप में एक नया कीर्तमान है । रेलवे की मूलयोजना 13000 ट्रेनों के संचालन की थी, परंतु श्रद्धालुओं की आवश्यकता एवं उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए रेलवे द्वारा 16000 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया गया, जो पिछले कुम्भ में संचालित 4000 ट्रेनों की तुलना में चार गुना से अधिक है । महाकुंभ –2025 में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान और दर्शन किया । इस विशाल आयोजन में देश और विदेश के लगभग 4.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने भारतीय रेलवे से यात्रा की । महाकुंभ –2025 का आयोजन देश की एकता का परिचायक बना, यह हम सभी के लिए गौरव की बात है । केंद्रीय रेल मंत्री ने महाकुंभ –2025 के भव्य और दिव्य आयोजन को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही रेल मंत्री ने बिहार एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का भी आभार व्यक्त किया। महाकुंभ –2025 के लिए गत दो वर्ष से अधिक समय से रेलवे ने विशेष तैयारिया की थीं । श्रद्धालुओं की उन्नत रेलवे सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए 4000 करोड़ रुपये से अधिक के इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया गया जिसमें प्रयागराज–बनारस खंड का दोहरीकरण,गंगा नदी पर नए पुल का निर्माण,21 नए आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) एवं आरयूबी (रेलवे अंडरब्रिज) का निर्माण, नए प्लेटफॉर्म एवं यात्री आश्रय स्थलों का निर्माण शामिल है। केंद्रीय रेल मंत्री ने स्टेशन निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधा, आपातकालीन चिकित्सा तथा आकस्मिक सेवा, स्वच्छता, यात्री सुरक्षा के कार्य करने वाले वाणिज्य, सुरक्षा, स्वच्छता, चिकित्सा, विधयुत, परिचालन सहित सभी विभागों के कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हालचाल पूछा और उनके कार्य की सराहना की। केंद्रीय रेल मंत्री ने रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रेस्पोंस टीम और फायर फाईटिंग टीम के कर्मचारियों से बातचीत कर उनके कार्य की प्रशंसा की । निरीक्षण के अगले क्रम में केंद्रीय रेल मंत्री ने क्रू लॉबी का निरीक्षण किया, प्लेटफॉर्म संख्या –1 पर ट्रेन में यात्रियों से रेल की सेवाओं पर उनके अनुभव को पूछा तत्पश्चात मेला टॉवर का निरीक्षण किया । ध्यातव्य है कि स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण, गाड़ियों का आगमन–प्रस्थान, सिविल प्रशासन के साथ समन्वय, आपात स्थिति से निपटना, यात्रियों की सहायता इत्यादि जैसे कार्यों का संचालन और समन्वय मेला टावर से ही किया गया । मेला टॉवर के सीसीटीवी कक्ष में प्रयागराज क्षेत्र के स्टेशनों और सिविल एरिया के सीधे प्रसारण को देखकर नियंत्रण और निर्देश की प्रणाली स्थापित की गयी है। केंद्रीय रेल मंत्री ने दौरे के अगले क्रम में प्रयाग जंक्शन स्टेशन का दौरा किया तत्पश्चात प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन पर महाकुम्भ–2025 के सफल आयोजन में सहायक वाराणसी मंडल के कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया । केंद्रीय रेल मंत्री ने प्रयागराज रामबाग में रेलवे के सभी विभागों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने मिलकर शानदार काम किया है। इस अवसर पर अध्यक्ष रेलवे बोर्ड सतीश कुमार,महानिदेशक रेलवे सुरक्षा बल मनोज यादव, महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे सौम्या माथुर, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे अशोक वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक हिमांशु बडोनी मंडल रेल प्रबंधक एसएम शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी विनीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जताया आभार

लखनऊधदिल्ली। महाशिवरात्रि के दिन अंतिम अमृत स्नान के साथ प्रयागराज महाकुम्भ 2025 का 45 दिन बाद समापन हो गया। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में देश और दुनिया से 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य प्राप्त किया। इस भव्य, नव्य और दिव्य आयोजन की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को उनके परिश्रम, प्रयास और संकल्प की सराहना की। पीएम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट के जरिए प्रयागराज महाकुम्भ को एकता का महाकुम्भ बताते हुए कहा कि महाकुम्भ संपन्न हुआ, एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। महाकुम्भ में जिस भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की है वो सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत को सुदृढ़ और समृद्ध रखने के लिए कई सदियों की एक सशक्त नींव भी रख गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि महाकुम्भ संपन्न हुआ, एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। प्रयागराज में एकता के महाकुम्भ में पूरे 45 दिनों तक जिस प्रकार 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ी, वो अभिभूत करता है। पीएम ने कहा कि महाकुम्भ के पूर्ण होने पर जो विचार मन में आए, उन्हें मैंने कलमबद्ध करने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में जिस भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की है वो सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और विरासत को सुदृढ़ और समृद्ध रखने के लिए कई सदियों की एक सशक्त नींव भी रख गया है। प्रयागराज का महाकुम्भ आज दुनियाभर के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के साथ ही प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए भी रिसर्च का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो देश का नया भविष्य लिखने जा रही है। समाज के हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोग इस महाकुंभ में एक हो गए। ये एक भारत श्रेष्ठ भारत का चिर स्मरणीय दृश्य करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया।

'योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुंभ को सफल बनाया'

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुम्भ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था। हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुम्भ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, यूपी की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि एकता के महाकुम्भ को सफल बनाने के लिए देशवासियों के परिश्रम, उनके प्रयास, उनके संकल्प से अभीभूत मैं द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ के दर्शन करने जाऊंगा। मैं श्रद्धा रूपी संकल्प पुष्प को समर्पित करते हुए हर भारतीय के लिए प्रार्थना करूंगा। मैं कामना करूंगा कि देशवासियों में एकता की ये अविरल धारा, ऐसे ही बहती रहे।

'सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जताया आभार'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट के जरिए कहा कि प्रधानमंत्री जी, यह आपके यशस्वी मार्गदर्शन का ही सुफल है कि श्एकता, समता, समरसता का महायज्ञश महाकुम्भ–2025, प्रयागराज भव्यता–दिव्यता के साथ सुरक्षा–स्वच्छता–सुव्यवस्था के नवीन मानक गढ़कर आज संपन्न हो गया है। विगत 45 पुण्य दिवसों में पूज्य साधु–संतों समेत 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर कृतार्थ हुए हैं। सकल विश्व को श्सभी जन एक हैंश का अमृत संदेश देने वाला यह मानवता का महोत्सव श्वसुधैव कुटुंबकम्श के पुण्य भाव के साथ संपूर्ण विश्व को एकता के सूत्र में पिरो रहा है। आपका मार्गदर्शन एवं शुभेच्छाएं हम सभी को सदैव नई ऊर्जा प्रदान करती हैं।

एकता का महाकुंभ

युग परिवर्तन की आहट

● महाकुंभ संपन्न होने पर पीएम मोदी ने लिखा ब्लॉग

प्रयागराज,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में महाशिवरात्रि के साथ संपन्न महाकुंभ पर्व की दिव्यता और भव्यता पर अपने मां के उद्गार व्यक्त करते हुए इसे युग परिवर्तन की आहट बताया है। उन्होंने महाकुंभ पर अपने विचार को लेखबद्ध करते हुए गुरुवार को कहा है कि सहस्राब्दिय से चली आ रही महाकुंभ की यह सनातन परंपरा राष्ट्र चेतना जागृत करने वाला पर्व है। श्एकता का महायज्ञ संपन्न हुआश पीएम मोदी ने लिखा, श्महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चौतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।श्र प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी–देवता जुटे, संत–महात्मा जुटे, बाल–वृद्ध जुटे, महिलाएं–युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, श्यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थीं। श्हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही हैश पीएम मोदी ने कहा, ''तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है।

'हिंदी मुखौटा है, संस्कृत चेहरा है'

● भाषाविवाद के बीच स्टालिन का दावा, हिंदी ने 25 भाषाओं को किया खत्म

हेदराबाद,(एजेंसी)। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन–फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को श्हिंदी थोपनेश विवाद में केंद्र पर दबाव बढ़ाते हुए दावा किया कि अन्य राज्यों में भाषा को जबरन अपनाने से 100 वर्षों में 25 मूल उत्तर भारतीय भाषाएं नष्ट हो गईं। सत्तारूढ़ भाजपा ने तुरंत पलटवार करते हुए इस टिप्पणी को श्शर्मूर्खतापूर्णश्श बताते हुए खारिज कर दिया। स्टालिन ने कहा था कि श्अखंड हिंदी पहचानश के लिए दबाव ही प्राचीन भाषाओं को खत्म करता है। उत्तर प्रदेश और बिहार कभी भी श्हिंदी हार्टलैंडश नहीं थे... उनकी वास्तविक भाषाएं अब अतीत के अवशेष हैं।ष गुरुवार की सुबह एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने केंद्र की भी आलोचना की – जिसने तमिल राजनीतिक नेताओं पर 2026 के चुनाव से पहले एक अनुकूल राजनीतिक कथा बनाने के लिए तथ्यों को तोड़ने–मरोड़ने का आरोप लगाकर श्हिंदी थोपनेश की आलोचना की थी – ष्नस्ल और संस्कृति को नष्ट करने के लिए भाषाओं पर हमला करनेष के लिए। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम नेता ने हिंदी को श्थोपनेश पर अपनी पार्टी की कुछ आपत्तियों को रेखांकित किया, जिसमें यह दावा भी शामिल था कि केंद्र – यह कहने के स्पष्ट विरोधाभास में कि किसी भी राज्य में स्कूली छात्र कोई भी भाषा सीख सकते हैं – वास्तव में तमिल को एक विषय के रूप में पेश नहीं करता है। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा, ''हम हिंदी थोपने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है।'' सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन–फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है।

हालांकि, केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। पत्र में स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी।

वक्फ बिल में 14 बदलावों को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संशोधित वक्फ (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसमें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिल अब अगले संसद सत्र में पेश किया जाएगा, जो 10 मार्च से शुरू होगा। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने जेपीसी समीक्षा का नेतृत्व किया और 27 जनवरी को विधेयक को अनुमति देने से पहले इसमें 14 संशोधनों को अपनाया। समिति की 655 पेज की रिपोर्ट बाद में 13 फरवरी को दोनों संसद सदनों में पेश की गई। वक्फ संशोधन विधेयक को भारतीय बंदरगाह विधेयक के साथ मंजूरी दे दी गई और इसे शेष बजट सत्र के लिए सरकार की प्राथमिकता सूची में जोड़ा गया है। कुल 66 संशोधन पेश किए गए – 23 सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों द्वारा और 44 विपक्ष द्वारा। लेकिन विपक्षी संशोधनों को पार्टी आधार पर खारिज कर दिया गया क्योंकि समिति में भाजपा या उसके सहयोगियों के 16 सांसद और विपक्ष के 10 सांसद हैं। एक नया विवाद तब छिड़ गया जब विपक्षी सांसदों ने दावा किया। कि संसद में पेश की गई अंतिम जेपीसी रिपोर्ट से उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटा दिए गए हैं। सरकार ने जोर देकर कहा कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया।

'भाजपा फर्जी वोटरों की मदद से दिल्ली में जीती'

● भतीजे अभिषेक ने बीजेपी में जाने से इनकार किया, कहा– मैं टीएमसी का वफादार सिपाही

कोलकाता,(एजेंसी)। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे। तृणमूल कांग्रेस की विस्तारित संगठनात्मक बैठक गुरुवार हुई, जहां पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति का खाका तैयार किया गया। इस दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर वार किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। उन्होंने हुकांर भरते हुए कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करेंगे, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया गया है। ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे।

> दिल्ली और महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा ने हरियाणा और गुजरात से लाए फर्जी वोटरों को मतदाता सूची में शामिल करके चुनाव जीता है। भाजपा बंगाल में भी ऐसा करने की कोशिश करेगी क्योंकि वह जानती है कि निष्पक्ष तरीके से बंगाल में कभी चुनाव नहीं जीत सकती।
>
> **ममता बनर्जी**
> पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

हादसों की रफ्तार

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंगीकृत सतत विकास लक्ष्यों के तहत सडक–सुरक्षा के संदर्भ में वर्ष 2030 तक सडक दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों तथा गंभीर रूप से घायलों की संख्या में 50 फीसदी की कमी का लक्ष्य निर्धारित है। असल में यूएन के कार्यक्रम 'सडक सुरक्षा के लिए कार्रवाई' के पहले दशक (वर्ष 2011 से 2020) के लिए भी यही लक्ष्य था, लेकिन संभवतरू इस अवधि में वास्तविक नतीजे लक्ष्य के आस–पास नहीं पहुंचने के कारण इसे अगले दशक के लिए नवीनीकृत किया गया। भारत सहित कुछ देशों में तो इस लक्ष्य के तहत ऋणात्मक नतीजे रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है। भारत में जहां वर्ष 2010 में सडक दुर्घटनाओं में 1,34,513 लोगों की मृत्यु हुई थी, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़ कर 1,72,000 से भी अधिक हो गई है। सवाल है कि क्या सरकारी तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रयासों तथा प्रतिवर्ष आयोजित तथा फिलहाल जारी 'राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह' जैसे आयोजनों के बावजूद भारत में इस लक्ष्य प्राप्ति की कोई संभावना नहीं है?

चर्चा को आगे बढ़ाने से पूर्व नुकसान की दृष्टि से एक छोटी सडक दुर्घटना का जिक्र करना उचित होगा। एक बड़ी रिहायशी कॉलोनी में मुख्य सडक पर दोपहिया वाहन पर तेजी से गुजरते हुए एक 18 वर्षीय युवक तथा एक साइड लेन से मुख्य सडक पर दोपहिया वाहन पर ही आते हुए एक 70 वर्षीय बुजुर्ग के वाहनों के आपस में टकराने से हाल ही यह दुर्घटना घटित हुई। दोनों ही लोग वाहनों सहित सडक पर गिर पड़े तथा चोटिल हुए। दोनों ही व्यक्तियों ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था। अलसुबह न्यूनतम ट्रैफिक में घटित इस दुर्घटना में दोनों ही लोगों की लापरवाही का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, किसी की कम तो किसी की ज्यादा। सवाल उठता है कि क्या इन दोनों व्यक्तियों की दो–दो लापरवाहियों (हेलमेट नहीं पहनना तथा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाना) के लिए स्वयं इनके अलावा कोई अन्य जिम्मेदार है? क्या ये इन लापरवाहियों से बच नहीं सकते थे? सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम में जनसतर्कता के बिना सरकारी तथा अन्य प्रयास हमेशा ही नाकाफी साबित होंगे।

आमजन सडक पर छोटी–छोटी गलतियों को नहीं करने का स्वयं प्रण लें तथा दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकें तो सडक दुर्घटनाओं में कमी अवश्य आएगी। यदि प्रत्येक वाहन चालक यह ठान ले कि बिना मानक हेलमेट पहने अथवा बिना सीट–बेल्ट लगाए वाहन का इग्नीशन ही ऑन नहीं करेगा तो मौतों की संख्या में भी कमी आएगी। सडक परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) के आंकड़ों के अनुसार सडक दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण 'मानवीय त्रुटियां' ही है जिनमें मुख्यतया ओवर–स्पीडिंग है। हेलमेट व सीट–बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी भी मौतों की संख्या बढ़ाती है।

मोर्थ की रिपोर्ट 'भारत में सडक दुर्घटनाएं–2022' के अनुसार इस वर्ष 72.3ः दुर्घटनाओं तथा 71.2ः मौतों का कारण ओवर–स्पीडिंग ही था। इस वर्ष हेलमेट तथा सीट–बेल्ट नहीं लगाए क्रमशरू 50,029 तथा 16,715 लोगों की दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई थी जो कुल मौतों का 39.6त्न थी। वाहन की गति नियंत्रित रखना तथा सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करना वाहन चालकध्सवारों की प्रथम जिम्मेदारी है। जाहिर है, सडक सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं हो सकती है। सडक सुरक्षा के सतत विकास लक्ष्य की प्राप्ति इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिए बिना संभव नहीं होगी। इस आंदोलन का स्वरूप अवश्य अलग होगा। सर्वप्रथम हमें अपने आप से लड़ाई लडनी होगी, सडक सुरक्षा तथा यातायात के नियमों की पालना हेतु उच्च स्तर की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करनी होगी। प्रत्येक नागरिक को इस आंदोलन का नायक बनना होगा। सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सडक के उपयोगकर्ताओं के अलावा यातायात नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए जिम्मेदार प्रवर्तन तंत्र की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

सामूहिक विकास हो लक्ष्य

गुलाब कोठारी

लोकतंत्र में जो भी सत्ता के शीर्ष पद पर है उसकी नीतियां व काम करने के ढंग का असर पूरे देश–प्रदेश पर पड़ता है। पिछले सालों में चुनाव चाहे केन्द्र के हों या फिर राज्यों की सरकार के लिए, नतीजों में एक बात यह भी देखने में आ रही है कि इस देश का युवा अब विकास देखना चाहता है। उसने धर्म, जाति, वंशवाद और भ्रष्टाचार को नकारना शुरू कर दिया है। विकास की जरूरत यों तो हमेशा बनी रहती है लेकिन यह भी एक तथ्य है कि जब किसी प्रदेश की विकास योजनाएं वहां की संस्कृति और भौगोलिक परिस्थितियों से मेल नहीं खाती हैं तो विकास की गति पर ग्रहण की शुरुआत हो जाती है।एक बात और है, इतिहास केवल देने वाले को याद करता है। लेने वाले का प्रकृति में भी कोई अस्तित्व नहीं माना जाता। यह एक कड़वा सच है और हमारे लोकतंत्र की तस्वीर का मुख्य पहलू भी है। हम लोगों को शासन के लिए चुनते हैं, टैक्स के रूप धन एकत्र करके भी देते हैं, देश के श्रेष्ठ प्रतिभाशाली नागरिकों को काम सौंपते रहे हैं। पिछले सालों का अनुभव रहा है कि आप इनको कितना भी टैक्स दो, कम पड़ता है। उसके बाद भी गलियां निकालकर धन ऐंठते हैं, चोरियां करते हैं, रिश्वत मांगते हैं, योजनाओं की लागत बढ़ाते रहते हैं, वंशजों को जोड़ते चले जाते हैं। आज 75 साल बाद हम कहां हैं–यही इनकी देशभक्ति और बुद्धिमता का प्रमाण है। इनके चिन्तन में माटी से जुड़ाव ही नहीं है, माटी का कर्ज क्या चुकाएंगे!

एक और परिस्थिति भी है इस देश में। विधायिका राजनीति पर आधारित है। उसमें देश के विकास का दृष्टिकोण होना अनिवार्य नहीं है। सरपंच से लेकर मंत्रिमण्डल तक की कोई पात्रता संविधान में नहीं है। इस की भव्यता–व्यापकता–वैभिन्य असाधारण है। बड़ा संकल्प चाहिए विकास के लिए और यह संकल्प चाहिए कार्यपालिका–न्यायपालिका में। हर प्रांत में 'इन्वेस्टमेंट समिट' होते रहे हैं। वे ही आने वाले और वे ही बुलाने वाले। एक नया उत्सव खड़ा हो गया–सरकारों का। परिणाम सबके सामने है। व्यक्तियों का विकास होता है, सामूहिक नहीं।

राजस्थान में भी 'राइजिंग राजस्थान' समिट होने जा रहा है। राज्य सरकार कृत–संकल्पित नजर आ रही हैं। केन्द्र सरकार भी पीछे खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी आ रहे हैं। अभी तक के संदेश भी सकारात्मक आ रहे हैं। सारा दारोमदार कार्यपालिका पर टिका है। उन्हें भी संकल्पित होना चाहिए। निजी स्वार्थों से ऊपर उठना पहली आवश्यकता है। केवल अच्छी घोषणाओं से विकास नहीं हो सकता। पीढ़ियां बदल गई, विकास की दिशा बदल रही है, गति बदल रही है, स्पर्धा बदल रही है। नए भविष्य की नई चुनौतियां भी बड़ी हैं। पलायन भी रोकना है, रोजगार भी देना है। स्थानीय संसाधनों का भरपूर उपयोग भी होना चाहिए। होना यह भी चाहिए कि हम समय के साथ भी चलें और हमारा ज्ञान, परम्परा व विरासत भी अक्षुण्ण रहे।भारत विविधताओं से भरा देश है। हर प्रदेश की जलवायु, जरूरतें, उपज और विशेषताएं भिन्न–भिन्न हैं। इनके लिए योजनाएं भी क्षेत्रवार होनी चाहिए। लेकिन विदेशी अंदाज में बनने वाली योजनाओं में इसका ध्यान नहीं रखा जाता। एक आवश्यकता यह भी है कि विकास राज्य के सभी हिस्सों में होना चाहिए। हर जिला आत्मनिर्भर बनना चाहिए ताकि स्थानीय रोजगार व्यापक हो। लोगों को काम की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़े। हमारे यहां तो स्थानीय कच्चे माल का उपयोग आज भी नहीं हो पाता। प्रयास ऐसे होने चाहिए जिनसे आधुनिकीकरण के साथ उद्योग–धंधे अन्य प्रदेशों के बजाए स्थानीय स्तर पर बढ़ सकें। उदाहरण के लिए टाइल्स गुजरात के मोरबी में नहीं राज्य में ही बने, इसबगोल की प्रोसेसिंग स्थानीय स्तर पर हों। राज्य के खनिज भी तैयार होने के लिए बाहर नहीं जाएं।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को ऐसे आयोजनों की सफलता के मॉडल के रूप में देखा जा सकता है। इस समिट के माध्यम से गुजरात ने दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया कि कैसे प्रभावी निर्णय लेने की प्रक्रिया और विकास केन्द्रित दृष्टिकोण बदलाव ला सकता है। शुरू में इसे ब्रांडिंग इवेंट कहा गया था। लेकिन अब यह साबित हो गया कि यह सिर्फ ब्रांडिंग इवेंट नहीं बल्कि 'बॉन्डिंग' का एक मंच है। वाइब्रेंट गुजरात समिट में वर्ष 2003 में सिर्फ कुछ सौ प्रतिभागी थे, लेकिन अब 40,000 से ज्यादा प्रतिभागी इस आयोजन से जुड़ते हैं। अब 135 से ज्यादा देश इस समिट में हिस्सा ले रहे हैं। आज गुजरात भारत का सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसका वर्तमान लेन–देन 2 बिलियन अमरीकी डॉलर है। पिछले दो दशक में गुजरात ने ऑटोमोबाइल मैन्युफै क्चरिंग, कैमिकल, रंग, खाद्य प्रसंस्करण, चिकित्सा उपकरण मैन्युफैक्चरिंग, प्रोसेस्ड हीरे, चीनी मिट्टी सहित कई क्षेत्रों में प्रगति की है। इतना ही नहीं देश के शीर्ष दस निर्यातक जिलों में से पांच गुजरात के हैं।

दक्षिण के प्रदेश कर्नाटक को ही लें। वर्ष 2010 में इन्वेस्टर मीट की सफलता दर केवल 28 प्रतिशत थी। अब कर्नाटक भारत की सिलिकॉन वैली है। यहां ग्लोबल रिसर्च एंड डवलपमेंट सेंटर वाली 400 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। भारत में निर्मित मशीन टूल्स के कुल मूल्य का 60 प्रतिशत उत्पादन अकेले बैंगलूरु में है। भारी विद्युत मशीनरी का देश में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कर्नाटक है। इतना ही नहीं यह प्रदेश

निर्यात में सभी राज्यों में प्रथम है। कर्नाटक देश का एकमात्र राज्य है, जिसके पास 2 औद्योगिक गलियारे सीबीआईसी (चेन्नई–बेंगलूरु) और बीएमईसी (बेंगलूरु–मुंबई) हैं।

उत्तरप्रदेश ग्लोबल इंवेस्टर मीट के तहत यूपी में वर्ष 2023 में 32.92 लाख करोड़ रुपए (400 बिलियन डॉलर) के निवेश का वादा करते हुए 18,000 समझौते हुए। इनमें से एक साल में लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश और 33.50 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने वाली 14000 से ज्यादा परियोजनाओं को लागू किया जा चुका है। उत्तरप्रदेश देश में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। देश की जीडीपी का 8 प्रतिशत हिस्सा यूपी पर निर्भर है।देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई कही जाती है। महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के नाम पर वर्ष 2023 में 1.37 लाख करोड़ रुपए के एमओयू किए, जिनके माध्यम से एक लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया। ये एमओयू हाई–टेक इंफ्रस्ट्रक्चर, नवीनीकरण ऊर्जा, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, व कृषि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों को लेकर हुए। वहीं आंध्रप्रदेश इनवेस्टमेंट समिट में वर्ष 2023 में 13 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए, जिनमें ऊर्जा, आईटी, पर्यटन, फार्मा आदि क्षेत्रों में निवेश व रोजगार से संबंधित प्रस्ताव आए। राजस्थान की तरह मध्यप्रदेश में नए साल की शुरुआत में इंवेस्टमेंट समिट होने वाली है। इसके लिए 23 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव सितम्बर तक मिल चुके, जिनसे 28 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

राजस्थान में इस तरह के इन्वेस्टमेंट समिट पिछली सरकारों ने भी किए हैं। इस बार राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में अभी तक 25 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए हैं, जबकि वर्ष 2011 में एक लाख करोड़, वर्ष 2015 में 3 लाख करोड़ और वर्ष 2022 में 12.58 करोड़ रुपए के एमओयू किए गए। लेकिन इन एमओयू के धरातल पर उतरने की बात करें तो यह 12 से 16 फीसदी तक ही रही है। वर्ष 2022 में अशोक गहलोत के मुख्यमंत्रित्वकाल के दौरान इन्वेस्टमेंट राजस्थान समिट में 12.58 लाख करोड़ के निवेश प्रोजेक्ट को लेकर एमओयू–एलओआई हुए थे लेकिन धरातल पर उतरने का प्रतिशत 15.58 प्रतिशत ही रहा। वर्ष 2015 में भाजपा की वसुंधरा राजे सरकार के दौर में रिसर्जेंट राजस्थान समिट में 3 लाख करोड़ के निवेश प्रोजेक्ट के एमओयू–एलओआई हुए लेकिन 15 फीसदी ही धरातल पर उतर पाए।

इन निवेश प्रस्तावों को देखकर लगता है कि निवेश के लिए एमओयू खूब हो रहे हैं। जहां नेतृत्व की सजगता है वहां इन्हें धरातल पर उतारने की कोशिश भी होती है। राइजिंग राजस्थान समिट निवेश की दिशा में बेहतर प्रयास है। लेकिन हमें ऐसे भारतीय उद्योगपतियों की सूची भी तैयार करनी चाहिए जो एमओयू तो कर जाते हैं, बाद में मुकर जाते हैं। कुछ ऐसे नाम भी मिलेंगे जो हर प्रदेश में 'समिट' में भाग लेते हैं और अन्त में दिखाई ही नहीं देते। हमारा राजस्थान फाउंडेशन का प्रयोग भी काम नहीं आया। आज चर्चा से ही बाहर हो गया। ऐसे उद्योगपतियों को पुराने रिकार्ड के आधार पर ही बुलाना चाहिए। एक बड़ी होशियारी अधिकारी यह भी करते हैं कि पुरानी सरकार के एमओयू रद्द करवाकर नई तारीखें डलवा देते हैं। ऐसी आवाजें भी आने लग गईं।इस बार जिलेवार योजनाएं बननी चाहिए। जिलेवार ही अधिकारियों को प्रभारी बनाकर विकास के लक्ष्य और समय सीमा तय होनी चाहिए। कम से कम इस सरकार के कार्यकाल तक तो अधिकारी वहीं रहकर परिणाम दे सकें। भ्रष्टचार का एक बड़ा कारण स्थानान्तरण भी है। कुछ का न होना और कुछ का जल्दी–जल्दी होना।उद्योगों के विकास के लिए पानी–विद्युत–परिवहन एक बड़ी अनिवार्यता है। इनका स्तर आज तो विश्वसनीय नहीं है। सरकार इनको भी प्राथमिकता दें। तकनीकी शिक्षा दूसरी कमजोर कड़ी है। शिक्षा विभाग को वित्त विभाग पर निर्भर नहीं होना चाहिए। कागजों में दी गई स्वतंत्रता वास्तविक परतंत्रता ही है। समग्र विकास राज्य की आवश्यकता है। कृषि के साथ पशुधन का परम्परागत ढंग एवं भूगोल को ध्यान में रखकर विकास होना चाहिए। विदेशी ढंग हमारी जलवायु के लिए उपयुक्त नहीं है। न ही रसायनों का प्रयोग। नई नीतियों में पुराने अनुभवों का समावेश होना चाहिए। उद्योगों के परिणाम एक पीढ़ी बाद दिखाई देते हैं। तब राज्य कैसा हो जाना है, इसी दृष्टि से उद्योगों की श्रेणियां, उत्पादन, रोजगार आदि को लक्ष्य बनाकर, एक निश्चित गारंटी के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

नए उद्योगों की स्थापना अपने आप में साहसी कदम है। इसके साथ ही कच्चा माल–परिवहन, भण्डारण, मण्डियों की समुचित व्यवस्था पर भी ध्यान देना है। जो दशा धान के भण्डारण की है, वैसी दशा उद्योग क्षेत्र में तो नहीं रहनी चाहिए। वैसे नुकसान के साथ दण्ड की व्यवस्था भी हो तो गलतियां ठहर जाएंगी।

चारकोल टूथपेस्टः इन बातों का रखें ध्यान

चारकोल टूथपेस्ट (जिसे ब्लैक टूथपेस्ट भी कहा जाता है) एक लोकप्रिय ट्रेंड है. जिसे दांतों को साफ और सफेद रखने के लिए एक स्वस्थ तरीके के रूप में मार्केटिंग किया जाता है. एक्टिव चारकोल लकड़ी और नारियल के खोल जैसे कार्बनिक उच्च कार्बन सामग्री से बने महीन दाने वाले पाउडर से बना होता है. जब इन तत्वों का ऑक्सीकरण होता है और उन्हें अत्यधिक तापमान पर गर्म किया जाता है, तो वे चारकोल में बदल जाते हैं. इस रासायनिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद, परिणामी पदार्थ में छोटे छिद्र होते हैं जो जमा और विष को फंसा सकते हैं

चारकोल टूथपेस्ट के समर्थकों का दावा है कि यह एक चुंबक की तरह काम करता है, जो आपके दांतों से टार्टर, बैक्टीरिया और दागों को खींचता है. वास्तव में, विकसित दुनिया में एक्टिव चारकोल सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्वाइज कंट्रोल ट्रीटमेंट है. ऐसा इसलिए है क्योंकि एक्टिव चारकोल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में टॉक्सिन्स को बांधता है, जिससे उनका अवशोषण रुक जाता है. लेकिन, क्या एक्टिवेटेड चारकोल टूथपेस्ट काम करता है और क्या यह रोजाना इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है? विस्तार से जानते हैं इस स्टोरी में...विशेषज्ञों का कहना है कि चारकोल टूथपेस्ट का सोखने का गुण दांतों पर लगे दागों को हटाने में मदद करता है.कई शोधों के हवाले से ऐसा कहा जाता है कि चारकोल मुंह से बैक्टीरिया और अन्य दूषित पदार्थों को हटाकर सांसों की दुर्गंध को कम करने में मदद करता है. प्लाक को कम करता हैरू कुछ अध्ययनों के अनुसार, चारकोल टूथपेस्ट भी दांतों पर प्लाक को कम करने में मदद करता है. प्लाक बैक्टीरिया और खाद्य अपशिष्ट की एक चिपचिपी परत होती है.हालांकि, उचित खुराक में चारकोल टूथपेस्ट का उपयोग करना सुरक्षित है, लेकिन इसे रोजाना उपयोग करने के फायदे से अधिक नुकसान हैं...दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है रू कुछ चारकोल टूथपेस्ट बहुत कठोर होते हैं. इनके घर्षण गुणों के कारण दांतों के ऊपर की इनेमल परत के घिसने का खतरा रहता है. बता दें, इनेमल दांतों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह होता है. ऐसा कहा जाता है कि इसके क्षतिग्रस्त होने पर दांत संवेदनशील हो जाते हैं. कहा जाता है कि ठंडा और गर्म पदार्थ लेने पर दर्द होता है और दांतों में सड़न की संभावना भी बढ़ जाती है.सभी प्रकार के दाग नहीं हटातारू चारकोल टूथपेस्ट केवल सतह के दाग हटाता है. यानी यह कॉफी, चाय और सिगरेट जैसी चीजों से लगे दाग को हटा सकता है. लेकिन, इससे दांतों की अंदरूनी परत पर बने दाग नहीं हटते है.मसूड़ों से खून आनारू जब चारकोल टूथपेस्ट का अधिक मात्रा में उपयोग किया जाता है, तो इससे मसूड़े लाल हो सकते हैं, सूज सकते हैं, दर्द हो सकता है और खून आ सकता है.काला अवशेषरू चारकोल काला होता है और ब्रश करने के बाद मुंह में काला अवशेष छोड़ सकता है. इन्हें पूरी तरह से हटाने के लिए मुंह को अच्छी तरह से धोना चाहिए.

इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी

हरिशंकर व्यास

यथा राजा तथा प्रजा, हम हिंदुओं का शाश्वत सूत्र वाक्य है। तभी जैसा मोदी राज वैसे ही संसद, संविधान, कोर्ट–कचहरी, विपक्ष, मीडिया आदि उन तमाम संस्थाओं का आज व्यवहार है, जिससे देश, कौम, नस्ल, धर्म, सभ्यता की वह शर्म है जो आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी।ईमानदारी से सोचें, सन् 2014 में निर्वाचित संसद के काम से लेकर इस सप्ताह की संसदीय घटनाक्रम में ऐसा तनिक भी कुछ है जैसा कांग्रेस, विपक्ष या वाजपेयी राज में था?तब की संसद कैसी थी, कैसे चलती थी और वही अब मोदी राज की संसद का क्या अनुभव है?जाहिर है जैसा प्रधानमंत्री, वैसा राज और वैसे ही बाकी सब। जैसा मोदी राज है वैसा विपक्ष है। और दोनों में इतनी भी समझ नहीं कि संसद और उसका परिसर पूरे भारत, पूरे देश के प्रतिनिधित्व का विशेषाधिकारपूर्ण गरिमामय स्थान है।

जैसे लाल किले के बादशाह का दरबार ए खास या दरबार ए आम हुआ करता था।उस स्थान पर यदि पानीपत के मैदान वाली लड़ाई की शत्रुता में लाठियां (तख्तियां, भीड़) लेकर सांसद लड़े और उसके फैसले में चांदनी चौक का कोतवाल जाचंकर्ता हो तो वह कौम के लिए शर्म, कलंक, डूब मरने वाली क्या स्थिति नहीं है?ऊपर से हुजूर (आज के नरेंद्र मोदी), उनके वजीर खुद ही संसद की तौहीन व अपमान के लिए कोतवाल को बुलाकर उसके कान में फुसफुसा कर कहें यह मेरा विरोधी है, इस पर चार्जशीट बनाओ और कचहरी से जेल में बंद करवा दो।सोचें, संसद और उसके सांसद कानून बनाने वालों के लिए उसी की व्यवस्था में, कानूननिर्माताओं की जगह में सांसदों के व्यवहार का जांतकर्ता, निर्णयकर्ता एक कोतवाल! लंदन की संसद, वेस्टमिनिस्टर या दुनिया के किसी भी सभ्य लोकतंत्र में यह नजारा कभी देखने को नहीं मिला (और न मिलेगा) कि सांसदों की भीड़ में धक्कामुक्की हुई, तो प्रधानमंत्री के सांसद तुरंत बगल की कोतवाली जा कर एफआईआर कराएं!

दुनिया वीडियो पर यह नौटंकी देखे कि सिर पर एक चिपी, फिर पट्टी, फिर पूरा सिर मानो ऑपरेट हुआ हो जैसा बड़ा पट्टा दिखला नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ कोतवाल द्वारा ताउम्र कैद की तमाम धाराओं में जांच!सोचें, लाल किले के किस मुगल बादशाह या नेहरू से ले कर डॉ. मनमोहन सिंह के राज में ऐसा हुआ?खुद सत्तापक्ष अपनी ही विधायिका के सांसदों के झगड़े, धक्कामुक्की की कोतवाल के यहां रिपोर्ट दर्ज कराते हुए! यदि निर्वाचित सरकार, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की एक संसद की प्रक्रिया को भी शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलवा पाए, विपक्ष के शोर–गतिरोध और प्रर्दशन का समाधान बातचीत से नहीं निकाल पाए तो यह किस बात का प्रमाण है?मोदी सरकार द्वारा चरित्र, बुद्धि और अपना कलंकित इतिहास बनाने का! तब संसद, संसदीय प्रक्रिया, नियमावली, स्पीकर, सभापति, उप सभापति, संसद नेता और प्रतिपक्ष नेता, संसदीय परिसर के कारिंदों आदि सबका क्या अर्थ है?

उफ! बुद्धि, दिमाग, बेशर्मी और अहंकार। मुझे बहुत झटका लगा जब सुना कि धक्कामुक्की हुई और नेता प्रतिपक्ष को टारगेट बना कर सरकार के सांसदों ने कोतवाल के यहां जा कर शिकायत दर्ज कराई!क्या पतन है नेहरू राज से मोदी राज का! कल्पना करें ऐसा ही वाकया यदि वाजपेयी–आडवाणी के राज में हुआ होता?पहली बात वे अपनी संसद में ऐसी नौबत नहीं आने देते कि पचास–पचपन साल के विधायिकी अनुभवी वाले सांसदों के मुंह से यह शिकायत सुनाई दे कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता! उनके माइक बंद हो जाते हैं!उनके मुद्दे, नोटिस, बहस की मांग नहीं मानी जाती आदि, आदि। दूसरी बात, वाजेपयी और आडवाणी दोनों नेता विपक्ष को बुलाकर मंत्रणा, मान मनौव्वल, मनाने या उनकी मांग मानने के लिए हमेशा तत्पर हुआ करते थे।

मुझे ध्यान है कि वाजपेयी राज में संसद भवन में सावरकर की तस्वीर लगी तो पूरे विपक्ष का जबरदस्त गुस्सा था, मगर बात का बतगंड़ नहीं हुआ जो अंबेडकर के मौजूदा बवाल में हुआ है।वाजपेयी याकि भाजपा राज की संसद ने सावरकर की तस्वीर लगाई तो लगाई।यह नहीं हुआ कि विपक्ष की आपत्ति पर भाजपा के सांसदों ने सावरकर के प्रति कांग्रेस सरकारों की उपेक्षा की तख्तियां ले कर तब की नेता विपक्ष सोनिया गांधी का रास्ता रोकने का हंगामा किया।

और यह तो कल्पना ही नहीं संभव जो सत्ता पक्ष के सांसद को चोट लगे तो आडवाणी अपने सांसदों से कोतवाली जा कर शिकायत कराएं कि सोनिया गांधी ने धक्का दिया और हमारा बुजुर्ग सांसद घायल हुआ। एफआईआर दर्ज करो तथा सोनिया गांधी को तलब करो!सो, यथा राजा तथा भाजपा। यथा राजा तथा सरकार। यथा राजा तथा संसद।

यथा राजा तथा मीडिया। यथा राजा तथा सुप्रीम कोर्ट। यथा राजा तथा विदेश नीति।यथा राजा तथा विकास। यथा राजा तथा समाज! यथा राजा तथा धर्म। हां, हम हिंदुओं के धर्म का भी नया बना इतिहास देखिए कि प्रधानमंत्री भगवान राम की ऊंगली पकड़ उन्हें उनके मंदिर में बैठा रहे हैं वही सहस्त्राब्दियों पुरानी सनातन परंपरा के कुंभ मौके का एक मुख्यमंत्री ऐसा हल्ला बना रहे हैं, मानों नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ नहीं होते तो ऐसा कुंभ नहीं होता!

तभी 140 करोड़ लोगों की प्रतिनिधि संसद के सदाचार, कदाचार में क्या सच, क्या झूठ का दारोमदार अब कोतवाल के सुपुर्द है। तब यह कल्पना असंभव नहीं है जो कोतवाल रिपोर्ट करे कि संसद गुंडों की है।संसद में गुंडई होती है और तब प्रधानमंत्री, गृह मंत्री सुरक्षा के नाम पर स्पीकर और सभापति, उप सभापति के पदों को उन सख्त आईपीएस कोतवालों के लिए आरक्षित करें, जिन्हें आसन पर देख कर सारे सांसद फौज के अनुशासित सैनिकों की तरह संसद में व्यवहार करें।अच्छा ही है, हिंदूशाही के नाम पर मोदी राज को यह भी कर लेना चाहिए!

एक्सल बार डेडलिफ्ट्स से आपकी पकड़ हो सकती है मजबूत

एक्सल बार डेडलिफ्ट्स एक खास एक्सरसाइज है, जो आपकी पकड़ को मजबूत बना सकती है। इस एक्सरसाइज में मोटे बार का उपयोग होता है, जिससे उंगलियों और हाथों की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है।यह एक्सरसाइज न केवल हाथों की पकड़ को मजबूत बनाती है, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों को भी ताकतवर बनाती है।आइए आज के इस लेख में एक्सल बार डेडलिफ्ट्स एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें जानते हैं।एक्सल बार डेडलिफ्ट करने के लिए सबसे पहले सही वजन चुनें, जो आपके लिए उपयुक्त हो। अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़ें।अब अपने हाथों से एक्सल बार को पकड़ें और धीरे–धीरे खड़े होते हुए इसे ऊपर उठाएं। ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी रहे और सिर आगे की ओर झुका न हो।जब आप पूरी तरह खड़े हो जाएं, तो कुछ सेकंड रुककर फिर धीरे–धीरे वापस नीचे आएं।एक्सल बार डेडलिफ्ट करने से कई फायदे होते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे आपकी ग्रिप स्ट्रेंथ यानी पकड़ने की ताकत बढ़ती है, जो रोजमर्रा के कामों में सहायक होती है।इसके अलावा, यह एक्सरसाइज आपके कंधे, पीठ और पैरों की मांसपेशियों को भी मजबूत बना सकती है।नियमित रूप से इस एक्सरसाइज का अभ्यास करने से आपका शरीर संतुलित रह सकता है और चोट लगने का खतरा कम हो सकता है।इस एक्सरसाइज के दौरान कुछ सावधानियां बरतना जरूरी होता है, ताकि चोट लगने का खतरा न रहे। सबसे पहले, सही वजन चुनें, जो आपके शरीर के लिए उपयुक्त हो। बहुत ज्यादा या बहुत कम वजन उठाने से बचें।अपनी पीठ को सीधा रखें, ताकि रीढ़ पर अनावश्यक दबाव न पड़े और संतुलन बना रहे। अगर किसी भी प्रकार का दर्द महसूस हो, तो तुरंत रुक जाएं और डॉक्टर की सलाह लें।अगर आप एक्सरसाइज में बदलाव चाहते हैं तो सिंगल आर्म डेडलिफ्ट या स्नैच ग्रिप डेडलिफ्ट्स जैसी विविधताएं आजमाएं। ये एक्सरसाइज अलग–अलग मांसपेशियों पर काम करती हैं और नई चुनौती देती हैं।

योजनाओं से कृषकों को किया जा रहा है लाभान्वित

प्रतापगढ। भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम व द्वितीय ने बताया है कि जनपद में भूमि संरक्षण की दो इकाईयों क्रमशः भूमि संरक्षण अधिकारी गोमती प्रथम एवं भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय द्वारा संचालित 04 योजनाओं पं0 दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, खेत तालाब योजना, वाटरशेड विकास घटक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना व वर्षा जल संचयन हेतु क्षेत्र विकास योजना (आरएडी) के माध्यम से कृषकों को लाभान्वित किया जा रहा है।

उन्होने बताया है कि उन्होने बताया है कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना जनपद में वर्ष 2021–22 से वर्ष 2025–26 तक के लिये स्वीकृत है। इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु 600 हेक्टेयर बीहड़ एवं बंजर तथा 200 हेक्टेयर जल भराव क्षेत्र उपचार हेतु भूमि सुधार के लक्ष्य आवंटित है जिसमें ऊँची नीची जमीनों को कृषि योग्य बनाने के लिये चयन किया जाता है। वित्तीय वर्ष में जनपद में आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष 600 हेक्टेयर की पूर्ति कर ली गयी है, इस योजना का सिद्धान्त गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में के आधार पर उपचारित किया जाता है ताकि वर्षा जल को खेत में रोककर नमी संरक्षित करते हुये, अकृष्य भूमि को उपजाऊ बनाया जा सके।

उन्होने बताया है कि खेत तालाब योजना जनपद में वर्षा जल संचयन हेतु शासन से स्वीकृत है जिसमें दोनो इकाईयों को 52 खेत तालाब का लक्ष्य निर्धारित है, इस योजना का लाभ उठाने के लिये जिन किसान भाईयों के पास निजी भूमि है एवं जहां सिंचाई के साधन नही है, वह किसान भाई विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण करते हुये योजना का लाभ उठा सकते है। योजना में दो तरह के किसानों को लाभ दिया जाना है जिसमें पहले वह कृषक होगे जिन्हें अपना तालाब खोदवा कर स्प्रिंकलल सेट स्थापित कराना अनिवार्य होगा एवं स्प्रिंकलर सेट उद्यान विभाग से 90 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त होगा तथा दूसरे उन किसानों का चयन किया जाना है जिन्होनें पूर्व में उद्यान विभाग से स्प्रिंक्लर सेट स्थापित करा रखा है। योजना में कृषक को विभागीय गाइडलाइन के अनुसार कार्य पूर्ण करने के उपरान्त 50 प्रतिशत अनुदान की दर से कुल रूपये 52500 डीबीटी के माध्यम से दो किस्तों में कृषकों के खाते में देय होगा। अभी तक जनपद में 18 तालाब निर्माण हेतु कृषकों का पंजीकरण उपरान्त सत्यापन किया जा चुका है तथा लक्ष्य के सापेक्ष 34 लाभार्थियों का चयन किया जाना शेष है तथा 8 लाभार्थियों को तालाब निर्माण की प्रथम किस्त सीधे उनके खाते में भेजी जा चुकी है शेष लाभार्थियों के पक्का कार्य पूर्ण होने एवं सत्यापन के उपरान्त भेज दी जायेगी।

उन्होने बताया है कि वाटरशेड विकास घटक प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 जनपद में परती भूमि विकास एवं जल संसाधन विभाग द्वारा डब्ल्यू0डी0स0 1 मंगरौरा एवं डब्ल्यू0डी0स0 2 आसपुर देवसरा के नाम से संचालित है। यह योजना 2021–22 से 2025–26 तक के लिये स्वीकृत है। योजनान्तर्गत जनपद की वह बेकार कृषि भूमि जिस पर किसी भी प्रकार का वानस्पतिक वृद्धि नही हो रही है। वहां पर वर्षा जल एकत्र कर वानस्पतिक वृद्धि करते हुये कृषि को उपजाऊ बनाकर एवं कृषकों की आमदनी दोगुनी करते हुये आर्थिक स्थिति में सुधार करना एवं जीवन स्तर उठाना मुख्य उद्देश्य है। योजनान्तर्गत अभी तक लगभग 35 प्रतिशत धनराशि व्यय कर ली गयी है एवं शेष पर कार्य प्रगति पर है।

उन्होने बताया है कि वर्षा जल संचयन हेतु क्षेत्र विकास योजना (आरएडी) योजनान्तर्गत जनपद में तीन परियोजनायें क्रमशः रतनपुर महेशपुर, छाछामऊ एवं कंधई संचालित है जिनमें कृषक चयन कर लिया गया है एवं अगले वित्तीय वर्ष के लिये योजना का चयन करते हुये निदेशालय को प्रेषित की जा चुकी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उनकी कृषि आमदनी में सुधार करना है तथा लाभार्थी कृषक को सरकार द्वारा 30 हजार रूपये का अनुदान प्रति परिवार दिया जा रहा है जिसमें बीज, पेड़ एवं लाइब स्टॉक, वर्मी कम्पोस्ट एवं मधु मक्खीपालन के पांचो कम्पोनेन्ट का लाभ लेने पर कृषकों को अनुदान दिया जाता है।

न्याय के लिए भटकने को मजबूर है मां, बेटे

कुशीनगर। जिले में खड्डा नगर की एक महिला की व्यथा ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। पीड़ित प्रेमशिला देवी जिन्होंने अपने बच्चों की परवरिश में जीवन समर्पित कर दिया। आज अपने हीं बड़े बेटे और बहू की प्रताड़ना झेल रही हैं। बता दें कि जनपद के खड्डा नगर की प्रेमशिला देवी के पति ने 26 साल पहले खड्डा में जमीन खरीदी थी। 2010 में पति की मृत्यु के बाद देवर ने गांव के घर से निकाल दिया। प्रेमशिला ने अपने भाइयों की मदद से चारों बच्चों का पालन–पोषण किया। बड़े बेटे अजय के लिए मोबाइल की दुकान खुलवाई और छोटे बेटे आशुतोष ने 2014 में बैंक से लोन लेकर अपनी दुकान शुरू की। प्रेमशिला ने बताया कि वह 2021 में बड़े बेटे अजय की शादी कर दी। शादी के बाद अजय और उसकी पत्नी ने घर के बंटवारे को लेकर प्रेमशिला को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। बड़े बेटे ने मां और छोटे भाई को घर से निकाल दिया। हालांकि कानूनी लड़ाई के बाद एक कमरा मिला। प्रेमशीला ने बताया कि वहां भी बेटा–बहू अक्सर मारपीट करते और कमरे का ताला तोड़कर अपना ताला लगा देते हैं।परिस्थितियों से टूट चुकी प्रेमशिला देवी ने कहा कि अगर न्याय नहीं मिला तो आत्महत्या करने के सिवा कोई विकल्प दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं छोटे बेटे आशुतोष ने बताया कि उनके बड़े भाई ने जमीन की फर्जी रजिस्ट्री करवा ली है। हल्का लेखपाल अजित कुमार की जांच रिपोर्ट प्रेमशिला देवी के पक्ष में होने के बावजूद अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पीड़िता ने थाना, तहसील, जिला मुख्यालय और मुख्यमंत्री के जनता दरबार तक में गुहार लगा चुकी है। लेकिन कहीं से न्याय नहीं मिला है।

कार्यालय कर विभाग, जोन–04 अल्लापुर, नगर निगम प्रयागराज

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा निम्नलिखित भवन संख्या के स्वामियों, केतागणों, वारिसानों तथा अन्य सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम की परिवर्तन की कार्यवाही कर विभाग क्षेत्रीय कार्यालय जोन–4 अल्लापुर में विचाराधीन है।सम्बन्धित पक्षों को धारा 213 की नोटिस जारी की जा चुकी है।आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण पत्रों सहित विज्ञापन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर क्षेत्रीय कार्यालय अल्लापुर में आपत्ति दाखिल कर दें, अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी।

क्र0 सं0	नम्बर मोहल्ला	भवन स्वामी का नाम	जिसके पक्ष में नाम परिर्वतन होना है एवं आधार	नामान्तरण का आधार
1	भवन संख्या–688ए/486ए, कृष्णा नगर	श्रीमती, कमलेश कुमारी पत्नी श्री जटाशंकर	वरासत के आधार पर श्री शैलेन्द्र व श्रीमती आराधना पुत्र व पुत्री स्व0 जटाशंकर का नाम दर्ज होगा।	वरासत
2	भवन संख्या–386/1, पूरा दलेल	श्री कृष्ण कुमार सिंह व श्री शिव कुमार सिंह पुत्रगण स्व0 हरी शंकर सिंह	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री जगरूप प्रसाद पुत्र श्री रामफल पाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
3	भवन संख्या 38ए/23 व 24 एवं 38बी/23 व 24, न्यू लश्कर लाइन	श्री उदय राज व दया शंकर पटेल पुत्रगण स्व0 बाबा व श्रीमती अनीता पत्नी श्री दया शंकर पटेल	दर्ज सहस्वामी श्री उदय राज पुत्र स्व0 बाबा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान–पत्र के आधार पर दर्ज नाम श्री दया शंकर पटेल पुत्र स्व0 बाबा का नाम दर्ज तथा शेषनाम यथावत रहेगा।	पंजीकृत दान–पत्र
4	भवन संख्या–94बी/41, बाधम्बरी गद्दी	श्रीमती, विभा श्रीवास्तव पत्नी श्री राकेश श्रीवास्तव	पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर श्री अंजन श्रीवास्तव पुत्र श्री राकेश श्रीवास्तव का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत वसीयतनामा
5	भवन संख्या–7/21, डडिया	श्रीमती, सुभा देवी पत्नी श्री बटोरन महतव व श्रीमती गीता मेहता पत्नी श्री महेन्द्र कुमार सिंह,	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती सुभा देवी पत्नी श्री बटोरन महतव का नाम खारिज होगा तथा वरासत के आधार पर दर्ज नाम श्रीमती गीता मेहता पत्नी श्री महेन्द्र कुमार सिंह का नाम यथावत रहेगा।	वरासत
6	भवन संख्या–496/181बी/4, दारागंज	श्री किशोरी लाल पुत्र श्री बगहा	वरासत के आधार पर श्रीमती निशा देवी पत्नी स्व0 प्रताप बिन्द का नाम दर्ज होगा।	वरासत
7	भवन संख्या–507ए, बक्शी खुर्द	श्री लाल जी पटेल व प्रेमचन्द्र पटेल पुत्रगण राम नरेश पटेल	दर्ज सहस्वामी श्री प्रेमचन्द्र पटेल पुत्र राम नरेश पटेल का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान–पत्र के आधार पर श्री लालजी पटेल पुत्र राम नरेश पटेल का नाम यथावत दर्ज रहेगा।	पंजीकृत दान–पत्र
8	भवन संख्या–624ए/426ए/4डी, बक्शी खुर्द	श्री मुकेश कुमार सिंह पुत्र श्री हवलदार सिंह व श्री राजेश तिवारी पुत्र श्री रवीन्द्र नाथ तिवारी,	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती सीता देवी जायसवाल पत्नी श्री राम प्रताप जायसवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
9	भवन संख्या–90ए/6बी/1, बाघम्बरी गद्दी	श्री नरेन्द्र कुमार शुक्ल व श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल पुत्रगण स्व0 शीतला प्रसाद शुक्ल व श्रीमती आभा शुक्ला पत्नी अभिषेक शुक्ल	दर्ज सहस्वामी श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल पुत्र स्व0 शीतला प्रसाद शुक्ल का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत वसीयत के आधार पर दर्ज नाम श्रीमती आभा शुक्ला पत्नी अभिषेक शुक्ल का नाम एवं शेष दर्जनाम यथावत रहेगा।	पंजीकृत वसीयत
10	भवन संख्या 794एच/3, बक्शी खुर्द	श्रीमती, सरिता यादव पत्नी श्री बलराम यादव व श्रीमती विमला यादव पत्नी श्री गोपाल जी	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती सरिता यादव पत्नी श्री बलराम यादव का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत दान पत्र के आधार पर श्री बलराम यादव पुत्र स्व0 नाथू लाल यादव का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत रहेगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
11	भवन संख्या–1032/691, दारागंज	श्री राजा राम मिश्र पुत्र स्व0 श्री राधा कृष्ण मिश्र	वरासत के आधार पर श्रीमती सुशीला मिश्रा पत्नी स्व0 शिव मंगल दास व उर्मिला मिश्रा पत्नी स्व0 अनन्त राम मिश्रा का नाम दर्ज होगा।	वरासत
12	भवन संख्या–663/340, दारागंज	श्रीमती, इन्द्रकली पत्नी स्व0 लवकुश व सर्व श्री अवध नारायण, बृज नारायण, उदय नारायण, श्याम नारायण पुत्रगण स्व0 श्री लवकुश	दर्ज सहस्वामी श्रीमती इन्द्रकली पत्नी स्व0 लवकुश व सर्व श्री अवध नारायण व श्याम नारायण पुत्रगण स्व0 श्री लवकुश का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्रीमती मोहिनी तिवारी पत्नी स्व0 अवध नारायण तिवारी व श्रीमती गीता तिवारी पत्नी स्व0 श्याम नारायण तिवारी व लक्ष्मी तिवारी, सरस्वती तिवारी, गौरी तिवारी(उम्र कमशः 12, 11, 05 वर्ष) पुत्रीगण स्व0 श्याम नारायण तिवारी नाबालिग संरक्षिका माता श्रीमती गीता तिवारी पत्नी स्व0 श्याम नारायण तिवारी का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत दर्ज रहेगा।	वरासत
13	भवन संख्या 1038/696, दारागंज	श्रीमती, चन्द्रकला देवी पत्नी श्री कामता प्रसाद जैन	पंजीकृत वसीयत के आधार पर श्रीमती संगीता देवी पत्नी स्व0 राजकुमार शर्मा व श्री श्लोक शर्मा पुत्र स्व0 राजकुमार शर्मा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत वसीयत
14	भवन संख्या–30/19बी/एफ0एफ0 1,हाशिमपुर रोड	श्री अभिषेक चट्टोपाध्याय पुत्र श्री चन्दी दास चट्टोपाध्याय व श्री चन्दी दास चट्टोपाध्याय पुत्र स्व0 अभय चरन चट्टोपाध्याय,	दर्ज सहस्वामी श्री चन्दी दास चट्टोपाध्याय पुत्र स्व0 अभय चरन चट्टोपाध्याय का नाम खारिज होगा तथा शेष दर्जनाम श्री अभिषेक चट्टोपाध्याय पुत्र स्व0 चन्दी दास चट्टोपाध्याय का नाम यथावत रहेगा।	वरासत
15	भवन संख्या–132ए/1/139ए/1, फतेहपुर बिछुआ	श्री केसर सिंह व श्री केहर सिंह पुत्रगण स्व0 राम नारायण	दर्ज सहस्वामी श्री केहर सिंह पुत्र स्व0 राम नारायण का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्रीमती कलावती यादव पत्नी स्व0 केहर सिंह व श्री सनी यादव पुत्र स्व0 केहर सिंह का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत रहेगा।	वरासत
16	भवन संख्या–326ए/12बी/5बी, मलाकराज	श्री सन्तलाल पुत्र श्री मंगली	वरासत के आधार पर श्रीमती होमिया पत्नी स्व0 सन्तलाल व श्रीमती संगीता व श्रीमती रेनू पुत्रीगण स्व0 सन्तलाल का नाम दर्ज होगा।	वरासत
17	भवन संख्या–378/233, बाघम्बरी हाउसिंग स्कीम	श्रीमती, प्रकाश रानी श्रीवास्तव पत्नी स्व0 कपिल देव श्रीवास्तव व श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 कपिल देव श्रीवास्तव	दर्ज सहस्वामिनी श्रीमती प्रकाश रानी श्रीवास्तव पत्नी स्व0 कपिल देव श्रीवास्तव का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत वसीयत के आधार पर दर्ज नाम श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 कपिल देव श्रीवास्तव का नाम यथावत रहेगा।	पंजीकृत वसीयत
18	भवन संख्या–123/18बी, अल्लापुर	श्री गनेश पुत्र स्व0 संगम लाल	पंजीकृत दान पत्र के आधार पर श्री मनोज कुमार पटेल पुत्र गणेश प्रसाद पटेल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
19	भवन संख्या–33बी/17बी/3, रामबाग	श्री मोहम्मद इस्माइल पुत्र मोहम्मद आलम व श्री राहुल गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता,	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती सीमा खरवंडा पत्नी दिलीप खरवंडा व श्री माधव खरबंडा पुत्र स्व0 दिलीप खरवंडा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
20	भवन संख्या–88/59ए, पूरा पडाइन	श्रीमती, फूलपत्ती देवी पत्नी श्री राम कवल	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री आनन्द कुमार सिंह पुत्र सुरेन्द्र प्रताप सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
21	भवन संख्या–838बी, पूरा दलेल	श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री माता प्रसाद(आकूपायर कालम),	वरासत के आधार पर श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता व श्री मनोज कुमार गुप्ता व श्री मुकेश कुमार गुप्ता पुत्रगण स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता का नाम दर्ज होगा।	वरासत
22	भवन संख्या–694/95/101सी, पूरा दलेल	श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री माता प्रसाद गुप्ता	वरासत के आधार पर श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता व श्री मनोज कुमार गुप्ता व श्री मुकेश कुमार गुप्ता पुत्रगण स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता का नाम दर्ज होगा।	वरासत
23	भवन संख्या 707ए/2/78, अल्लापुर	श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व0 माता प्रसाद गुप्ता	वरासत के आधार पर श्रीमती निर्मला देवी पत्नी स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता व मनोज कुमार गुप्ता व मुकेश कुमार गुप्ता पुत्रगण स्व0 जगदीश प्रसाद गुप्ता का नाम दर्ज होगा।	वरासत
24	भवन संख्या–24सी/1ए, जहूर मास्टर रोड	श्री जोगेन्द्र सिंह कौर पुत्र राम अवतार व श्री कमल दीप सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह कौर,	दर्ज सहस्वामी श्री कमल दीप सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह कौर का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्रीमती मनोरमा कौर पत्नी स्व0 कमलदीप सिंह व शौर्य सिंह (नाबालिक) पुत्र स्व0 कमलदीप सिंह संरक्षिका माता श्रीमती मनोरमा कौर का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत रहेगा।	वरासत
25	भवन संख्या–180/135, पूरा पडाइन	श्रीमती, नीना शुक्ला पत्नी श्री अरूण कुमार शुक्ल व श्री अरूण कुमार पुत्र स्व0 भगवानदीन शुक्ल	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री अरूण साहू पुत्र स्व0 ओम प्रकाश साहू का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
26	भवन संख्या–39/63, पूरा ढाकू	श्रीमती, कमला देवी पत्नी रामदास	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती मुदिता पाण्डेय पत्नी सुधाकर बाबू शर्मा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
27	भवन संख्या–348सी, बाघम्बरी गद्दी	श्री मनुल अग्रवाल पुत्र श्री जुगुल किशोर अग्रवाल व श्रीमती पुष्पा वर्मा पत्नी श्री राज कुमार वर्मा व श्रीमती साधना मिश्रा पत्नी अनिल कुमार	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री राम प्रसाद गुप्ता पुत्र स्व0 बंशी लाल व श्रीमती निर्मला गुप्ता पत्नी राम प्रसाद गुप्ता व श्री विकम गुप्ता व प्रमेश गुप्ता पुत्रगण श्री राम प्रसाद गुप्ता का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
28	भवन संख्या–245एच/178, एलनगंज	श्रीमती, दीपिका दुबे पत्नी राजभान शुक्ला	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती संगीता मिश्रा पत्नी अरूण कुमार मिश्रा का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
29	भवन संख्या–1529बी/1, अल्लापुर	श्रीमती, अर्चना मिश्रा पत्नी भानु प्रकाश मिश्रा	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती खुशबू केसरवानी पत्नी स्व0 संजीव गुप्ता का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
30	भवन संख्या–83सी/3जी/2के, बघाड़ा	श्रीमती, उमा देवी पत्नी स्व0 बसन्त राम(आकोपायर कालम)	पंजीकृत दान–पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ–साथ श्री हरिशचन्द्र कुशवाहा पुत्र स्व0 बसन्त राम व श्री प्रेमचन्द्र कुशवाहा पुत्र स्व0 बसन्त राम का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
31	भवन संख्या–59बी/2एस, बघाड़ा	श्रीमती, सुरूजमनी देवी पत्नी श्री पन्ना लाल जायसवाल	पंजीकृत दान–पत्र के आधार श्री विनोद, मनोज कुमार, प्रमोद कुमार पुत्रगण स्व0 पन्ना लाल व श्रीमती रिंकू जायसवाल पत्नी स्व0 सन्तोष कुमार जायसवाल का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
32	भवन संख्या–222/87, टैगोर टाउन	श्री अमृत प्रकाश केसरवानी पुत्र रामेश्वर प्रकाश केसरवानी	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्रीमती सीमा केशरवानी पत्नी श्री राहुल केशरवानी व श्री राहुल केशरवानी पुत्र श्री हरिशचन्द्र केशरवानी का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
33	भवन संख्या–360/3ए/2, बघाड़ा	श्री दिलीप सिंह पुत्र लाल लल्लू सिंह	पंजीकृत दान–पत्र के आधार पर श्रीमती दीपिका सिंह पत्नी श्री दिलीप सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
34	भवन संख्या–122/81, पूरा पड़ाइन	श्री रमेश चन्द्र चड्ढा व अशोक कुमार चड्ढा पुत्रगण स्व0 बलदेव राज_चड्ढा व श्रीमती आशा रानी पत्नी स्व0 जगदीश चड्ढा व श्रीमती नीलम चड्ढा पत्नी स्व0 हरवंश चड्ढा,	दर्ज सहस्वामी श्री रमेश चन्द्र चड्ढा व अशोक कुमार चड्ढा पुत्रगण स्व0 बलदेव राज चड्ढा का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री रितिक चड्ढा पुत्र स्व0 सुभाष चड्ढा का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत रहेगा।	पंजीकृत विकय पत्र
35	भवन संख्या–408/15एफ, बक्शी खुर्द	श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह पुत्र श्री वंश गोपाल सिंह	वरासत के आधार पर श्री संदीप सिंह व श्री अमित सिंह पुत्रगण स्व0 राजेन्द्र प्रसाद सिंह का नाम दर्ज होगा।	वरासत
36	भवन संख्या–11ए, मोरी	श्री सत्येन्द्र शंकर सिंह व श्री जितेन्द्र शंकर सिंह व श्री धीरेन्द्र सिंह पुत्रगण स्व0 देवेन्द्र प्रताप सिंह	दर्ज सहस्वामी श्री सत्येन्द्र शंकर सिंह पुत्र स्व0 देवेन्द्र प्रताप सिंह का नाम खारिज होगा तथा उनके नाम के स्थान पर वरासत के आधार पर श्रीमती प्रीती सिंह पत्नी श्री हिमांशु सिंह का नाम दर्ज होगा तथा शेषनाम यथावत रहेगा।	वरासत
37	भवन संख्या–52सी/1ए, अमरनाथ झा मार्ग	श्री ओम प्रकाश मिश्र व श्री सत्य प्रकाश मिश्र पुत्रगण स्व0 अवध नरायण मिश्र	पंजीकृत दान–पत्र के आधार पर श्री दिनेश कुमार मिश्र पुत्र स्व0 अवध नारायण मिश्र का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत दान–पत्र
38	भवन संख्या–57, अमरनाथ झा मार्ग	श्रीमती, किरन राय पत्नी श्री विवेकानन्द राय,	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर श्री पकंज सिंह पुत्र स्व0 आनन्द सिंह व श्री अभिषेक जय सिंह पुत्र श्री विजय सिंह का नाम दर्ज होगा।	पंजीकृत विकय पत्र
39	भवन संख्या–152/39, टैगोर टाउन	श्री जयन्त गुप्ता पुत्र स्व0 वी0 के0 गुप्ता	पंजीकृत विकय पत्र के आधार पर दर्ज नाम के साथ–साथ श्री गौरव यादव व श्री सौरव यादव पुत्रगण श्री रामचन्द्र का नाम दर्ज होगा तथा भवन का विभाजन भी होगा।	पंजीकृत विकय पत्र

जोनल अधिकारी
जोन–04 नगर निगम प्रयागराज

भंडारे का आयोजन किया गया।

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज स्मार्ट सिटी लि० एवं पंजाब नेशनल

बैंक शाखा कर्नलगंज के सौजन्य से प्रयागराज नगर निगम परिसर के मुख्यद्वार पर भव्य प्रसाद वितरण का कार्य महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी द्वारा सकुशल संपन्न हुआ। प्रसाद वितरण सम्बन्धी भण्डारा कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, शाखा कर्नलगंज प्रयागराज स्मार्ट सिटी लि० तथा प्रयागराज नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सीएमपी के संस्थापक को अर्पित की पुष्पांजलि

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के हीरक जयन्ती समारोह के तहत महाविद्यालय के संस्थापक चौधरी बाबू महादेव प्रसाद के जन्मदिवस महाशिवरात्रि के दिन बुधवार को हवन–पूजन हुआ। कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार सिन्हा एवं उनकी पत्नी रितु सिंह ने हवन किया। हवन के बाद संस्थापक बाबू महादेव प्रसाद को स्मरण करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे सहित शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खंड शिक्षाधिकारियों का कोटा बढ़ाने का विरोध

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शैक्षिक सामान्य शिक्षा संवर्ग सेवानियमावली 1992 में संशोधन करते हुए खंड शिक्षाधिकारियों (बीईओ) का कोटा बढ़ाने के विरोध में राजकीय शिक्षक संघ पांडेय गुट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। लोक सेवा आयोग समूह ख के पदों पर चयन के लिए कम से कम तीन वर्ष का अध्यापन अनुभव मांगता है जो खंड शिक्षा अधिकारियों के पास नहीं है। संरक्षक छाया शुक्ला, अध्यक्ष रामेश्वर पांडेय और महामंत्री सत्यशंकर मिश्रा ने कोटा नहीं बढ़ाने का अनुरोध किया है।

सीएम डैश बोर्ड में पिछड़े विभागों से मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। महाकुम्भ खत्म होने के बाद अब अफसर रुटीन के काम पर जोर दे रहे हैं। बीते डेढ़ महीने से जिले में सीएम डैश बोर्ड की समीक्षा नहीं हुई थी। सीडीओ गौरव कुमार ने सभी विभागों की रिपोर्ट तलब की है। पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग की रिपोर्ट पिछले कई महीनों से बेहद खराब रही है। सीडीओ ने सभी विभागों को अपनी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुरुवार शाम को रिपोर्ट मांगी और शुक्रवार तक सूची अपडेट करने के लिए कहा है। जिससे आने वाले महीने में जिले की स्थिति प्रदेश में अच्छी हो सके।

गायिका खुशबू तिवारी ने किया संगम स्नान

महाकुम्भ नगर। कुम्भ का मेला लगा है भक्तों.. डुबकी लगा लो गीत गाकर एक बार फिर चर्चा में आईं गयिका खुशबू तिवारी ने महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर संगम में डुबकी लगाई। खुशबू ने महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। दो साल पहले खुशबू भोजपुर रैप सांग गाकर चर्चा में आई थी। उनका गाया पटा लोगे रैप सांग बहुत लोकप्रिय हुआ था। यू ट्यूब पर रैम सांग की रील क 17 लाख लोगों ने देखा। महाकुम्भ पर भी गाया गीत लोकप्रिय हुआ।

कुम्भ-2019 की तुलना में चार गुना अधिक ट्रेनें चलाईं : वैष्णव

प्रयागराज। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि महाकुम्भ में पिछले कुम्भ की तुलना में चार गुना अधिक ट्रेनें चलाईं गईं। महाकुम्भ समापन के बाद प्रयागराज में रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी और सुरक्षाकर्मियों को धन्यवाद देने आए रेल मंत्री ने गुरुवार को प्रयागराज जंक्शन पर मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि महाकुम्भ में स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कई राज्य की सरकारों का सहयोग से भीड़ को महाकुम्भ में लाने और ले जाने के लिए ट्रेनों का संचालन संभव हो सका। राज्य सरकारों के सहयोग से श्रद्धालु महाकुम्भ में ट्रेनों से आए और गए। मंत्री ने कहा कि महाकुम्भ के लिए रेलवे ने ढाई साल पहले तैयारी शुरू कर दी थी। पूरा ढांचा तैयार करने पर पांच हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। उन्होंने कहा कि जो भी कमी रह गई, उसे अगले कुम्भ में पूरा किया जाएगा। मंत्री ने प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर कुम्भ स्पेशल ट्रेन के कोच का निरीक्षण किया। संयुक्त लोको पायलट और गार्ड्स लॉबी में गए। प्लेटफॉर्म एक स्थित अग्निशमन बूथ को देखा। जंक्शन के कंट्रोल रूप का मुआयना करने के बाद रेल मंत्री प्रयाग स्टेशन रवाना हो गए। मंत्री प्रयागराज जंक्शन पर 50 मिनट रहे।

एआई का कमाल, अंबानी-मस्क ने लगाया स्टाल

महाकुम्भ नगर। दुनिया के सबसे बड़े मेले महाकुम्भ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विशेषज्ञ भी अपना हाथ आजमाने में पीछे नहीं रहे। एआई की सहायता से ऐसे वीडियो और फोटो तैयार कर दिए कोई भी देखकर भ्रम में पड़ जाए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऐसी ही एक वीडियो में बड़े–बड़े दिग्गज महाकुम्भ में छोटे–छोटे स्टाल लगाकर बैठे देखे जा सकते हैं। इस वीडियो में सबसे पहले मुकेश अंबानी जियो के स्टाफ पर देखे जा सकते हैं। उसके बाद रैपर बादशाह, गौतम अदाणी, सुंदर पिचाई के अलावा दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क भी छोटे से स्टाल पर ग्राहकों का इंतजार करते देखे जा सकते हैं। कुछ और मशहूर लोगों को शामिल करते हुए वीडियो बनाया गया है।इसके अलावा एक अन्य वीडियो में महात्मा गांधी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, रतन टाटा जैसे मशहूर लोग जो अब दुनिया में नहीं रहे, उनको संगम में डुबकी लगाते हुए दिखाया गया है। यही नहीं कई चर्चित लोग जो महाकुम्भ में नहीं आए, उनकी भी संगम स्नान करते फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी गई। इस तरह के कंटेंट पर लोग तरह–तरह से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। साइबर क्राइम विशेषज्ञ जय प्रकाश सिंह का कहना है कि जब तक कोई आपत्ति नहीं करता तब तक इस प्रकार की सामग्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो सकती।

महाकुंभ 2025: कुंभनगरी आकर 48,500 लोग परिजनों से बिछड़े, पुरुषों के बिछुड़ने की संख्या अधिक

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। कुंभ नगरी में स्नान के लिए पहुंचे 48,500 लोग अपने परिजनों से बिछुड़े। खास बात यह कि परिजनों से बिछुड़ने वालों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की संख्या अधिक रही यह सभी कुछ दिनों के इंतजार के बाद अपने परिजनों तक पहुंच गए।

कुंभ नगरी में स्नान के लिए पहुंचे 48,500 लोग अपने परिजनों से बिछुड़े। खास बात यह कि परिजनों से बिछुड़ने वालों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की संख्या अधिक रही यह सभी कुछ दिनों के इंतजार के बाद अपने परिजनों तक पहुंच गए। मेले में सिर्फ छह साल का एक बच्चा ही ऐसा रहा, जो अब तक परिजनों तक नहीं पहुंच सका।

कुंभ नगरी में परिजनों से बिछुड़ने वालों की मदद के लिए तीन केंद्र काम कर रहे थे। इनमें एक सरकार की ओर से बना डिजिटल भूला–बिसरा केंद्र रहा जबकि दो स्वयंसेवी संगठनों ने संचालित किया। इनमें सबसे पुराना भारत सेवा केंद्र (1946) एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति (1954) शामिल रहीं। भूले भटकों के लिए सबसे अधिक मददगार भारत सेवा केंद्र एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति रहा।

भारत सेवा केंद्र संचालक उमेश चंद्र तिवारी के मुताबिक 12 जनवरी से आरंभ हुए केंद्र में बुधवार तक कुल 10,931 पुरुष एवं 8,100 महिलाओं समेत 17 बच्चे बिछड़े। हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति संचालक संत कुमार पांडेय के मुताबिक 10 जनवरी से 15 फरवरी के बीच 5500 महिलाओं एवं 24 बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया। सिर्फ छह साल का बाबुल ही परिजनों तक नहीं पहुंच सका। उसे चाइल्ड लाइन में रखा गया है।

वहीं, डिटिजल केंद्र के जरिये करीब 24 हजार लोग बिछुड़ने के बाद परिवार से मिले। यहां आने वालों में भी पुरुषों की संख्या अधिक रही।

किसी की पत्नी खोई, तो किसी का बेटा

आखिरी स्नान पर्व के दौरान भी भूले भटके केंद्र में अपनों से बिछुड़ जाने वालों की भीड़ रही। 24 परगना, बंगाल से आए संजय महापात्रा पत्नी खो गई। संजय ने कुछ देर तो उनको संगम घाट पर तलाशा लेकिन, वह नहीं मिलीं। रोते–बिलखते संजय नंगे बदन ही भारत सेवा केंद्र पहुंचे। आंखों में आंसू भरकर संजय शिविर संचालकों से गुहार लगाने रहे। कई घंटे तक वहां शिविर के बाहर ही खड़े रहे।

अलीगढ़ से आईं चंदा का नौ साल का बेटा विशाल भी संगम में स्नान के बाद घाट पर ही गुम हो गया। इकलौता बेटा के लापता होते ही चंदा बदहवास हो उठीं। काफी देर तक वह उसे संगम के आसपास तलाशती रहीं। किसी तरह भटकती हुई वह भारत सेवा केंद्र पहुंची।

यहां करीब तीन घंटे बाद पुलिस वालों ने उद्घोषणा सुनकर बच्चे को वहां पहुंचाया। बच्चे को देखते ही मां चंदा ने उसे सीने से लगा लिया। काफी देर तक अपने बेटे से लिपटकर रोती रही। इसी तरह पूरे दिन ही यहां बिछुड़ने और मिलने वालों का तांता लगा रहा।

मां गंगा की पूजा–अर्चना कर मुख्यमंत्री ने संगम तट पर प्रारंभ किया स्वच्छता अभियान

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह महाकुम्भ 2025 की औपचारिक पूर्णाहुति के लिए प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महाकुम्भ नगर के अरैल घाट पर सफाईकर्मियों के साथ मिलकर घाट की सफाई की और गंगा तट पर स्नानार्थियों द्वारा छोड़ी गए वस्त्र आदि को साफ करने में अपने मंत्रियों के साथ श्रमदान किया। जल में मौजूद छोड़े गए वस्त्रों को निकालकर महाकुम्भ के उपरांत पूरे मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए अभियान का शुभारंभ किया। सफाई कार्य के बाद मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम के लिए रवाना हुए। इस दौरान उन्होंने जेटी से साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। संगम पहुंचकर सीएम योगी ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य रूप में मौजूद मां सरस्वती का विधिवत पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मंत्रिगणों के साथ मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर विधि–विधान से मां की आरती उतारी और लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने संगम स्नान को आए श्रद्धालुओं का भी अभिवादन किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अनिल राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी प्रशांत कुमार और प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दिनभर महाकुम्भ नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। वे महाकुम्भ को ऐतिहासिक, दिव्य, भव्य, स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों और संस्थाओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। शाम को सीएम योगी पुलिसकर्मियों से भी संवाद करेंगे और सुरक्षित महाकुम्भ के लिए उनका आभार प्रकट करेंगे। इसके अलावा, कुम्भ की व्यवस्था में लगे अधिकारियों और मेला प्रशासन से जुड़े लोगों के साथ भी उनकी बैठक प्रस्तावित है।

चार दिन बाद भी शशांक के हत्यारे पकड़ से दूर

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के फव्वारा चौराहे के समीप चार दिन पहले 24 फरवरी की रात सरेआम शशांक सिंह की गोली मार की निर्मम हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने छह नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया है। पुलिस की तीन टीमें गठित की गई है। इसके बावजूद घटना के चार दिन बाद भी हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर मृतक के परिजनों में नाराजगी बनी हुई है। नवाबगंज निवासी शिवकुमार यादव के पुत्र 24 वर्षीय शशांक सिंह की गर्ल फ्रेंड के विवाद में उसके पूर्व मित्र शुभम उपाध्याय ने अपने साथियों के साथ मिलकर गोली मार दी थी। शशांक सीएमपी कॉलेज में बीएससी का छात्र था। साथ ही एक फाइनेंस कंपनी में काम भी करता था। मृतक के मामा सचिन यादव की तहरीर पर मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय सहित सूरजभान, देवेश, अतुल सिंह यादव, शंशाक पंडित, यश पांडेय और चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई है। इसके अलावा एसओजी व सर्विलांस टीम भी लगी हुई हैं। फव्वारा चौराहे के सीसीटीवी कैमरे में मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय द्वारा गोली चलाने का फुटेज मिला है। वहीं भाजपा का झंडा लगे स्कार्पियो का नंबर प्लेट जांच में फर्जी होने की पुष्टि हुई है। मुख्य आरोपी शुभम उपाध्याय का आखिरी लोकेशन भुगियामऊ प्रतापगढ़ मिला था। इसके बाद कोई लोकेशन नहीं मिल सका है। पुलिस प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, चित्रकूट सहित अन्य जिलों में तलाश कर रही है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोलकोता के रंजीत लोगों को बांटेंगे 15 लीटर गंगा जल

महाकुम्भ नगर। सच ही कहा गया है कि गंगा तेरा पानी अमृत..। पतित पावनी, मोक्षदायिनी गंगा का एक–एक बूंद अमृत तुल्य है। इसीलिए महाशिवरात्रियों पर स्नान के लिए कोलकाता से आए रंजीत कुमार पाल की मां गंगा के प्रति आस्था इतनी प्रबल रही कि उन्होंने दो–चार नहीं बल्कि 15 लीटर गंगाजल स्नान के बाद बिना।

आकर्षक और संदेशमूलक लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का भी आयोजन

महाकुम्भ नगर। दिव्य भव्य डिजिटल महाकुम्भ 2025 प्रयागराज में त्रिवेणी मार्ग पर प्रदर्शनी परिसर में 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'जन भागीदारी से जन कल्याण' शीर्षक से भारत सरकार की विगत 10 वर्षो की उपलब्धियों, कार्यक्रमों, नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित लगायी गयी डिजिटल प्रदर्शनी श्रद्धालुओं और जनसामान्य के बीच आकर्षण का केंद्र रही। देश के विभिन्न हिस्सों से आये श्रद्धालुजनों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। डिजिटल प्रदर्शनी में एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दर्शकों को मिली। महाकुम्भ मेला के शुभारम्भ से आमजन के अवलोकन के लिए खुली रही डिजिटल प्रदर्शनी महाशिवरात्रि के आखिरी स्नान के साथ आज समाप्त हुई। इस प्रदर्शनी के माध्यम से श्रद्धालुओं और जनसामान्य को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, नमो ड्रोन दीदी, लखपति दीदी, वेव्स, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्याँजली, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, आजाद भारत के तीन नये कानून, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साथ साथ नारी सशक्तिकरण की योजनाओं तथा विभिन्न अन्य योजनाओं और समुन्द्र मंथन की गाथा की रोचक जानकारी दर्शकों और जन सामान्य को मिली। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में आमजन के साथ विशिष्टजनों का भी आगमन हुआ। सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार संजय जाजू, पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक धीरेन्द्र ओझा, केंद्रीय संचार ब्यूरो के महानिदेशक योगेश बवेजा, महानिदेशक आकाशवाणी प्रज्ञा पालीवाल गौड़, एडिशनल सेक्रेटरी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार तृप्ति गुरहा, अपर महानिदेशक शंभूनाथ चौधरी, अपर महानिदेशक अजय अग्रवाल, कर्नाटक और तेलंगाना, दिल्ली, जम्मू कश्मीर और लद्दाख, केरल और तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, वेस्ट बंगाल और बिहार, उड़ीसा और झारखंड, महाराष्ट्र और गुजरात तथा पूर्वोत्तर के राज्यों से आए मीडिया प्रतिनिधि दलों का आगमन हुआ। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिव्य–भव्य–डिजिटल, एकता के महाकुम्भ में लगायी गयी डिजिटल प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। सूचना प्रसारण मंत्रालय के द्वारा डिजिटल प्रदर्शनी के अतिरिक्त महाकुंभ 2025 में 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक संपूर्ण महाकुंभ मेला अवधि के दौरान श्री जय सिंह क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी लखनऊ की देखरेख में 200 से अधिक संदेशमूलक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लोक और शास्त्रीय कार्यक्रमों को भी विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शित किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भी विकसित भारत एवं भारत सरकार की विगत 10 वर्षों में उपलब्धियों, योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों को जनसामान्य एवं श्रद्धालुओं के बीच प्रदर्शित किया गया। प्रत्येक सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक अनूठी कहानी बताते हुए अलग–अलग क्षेत्र के स्थानीय रीति–रिवाजों, अनुष्ठानों और आध्यात्मिकता को दर्शाया गया, जो महाकुंभ में आने वाले जन सामान्य के लिए के लिए एक शानदार दृश्यात्मक और कलात्मक अनुभव रहा। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रीय नृत्य और गायन शैलियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सैकडों प्रतिभाशाली कलाकार ने भाग लिया। प्रदर्शनी को सफल बनाने में केंद्रीय संचार ब्यूरो, लखनऊ के निदेशक मनोज कुमार वर्मा के नेतृत्व में विभाग के.सी. मीणा, डॉ. लालजी, गौरव त्रिपाठी, लक्ष्मण शर्मा, राम मूरत, बालमुकुंद सिंह, अमित कुमार, नरेश चंद्र, सुभाष चंद्र, सुभाष गौतम, प्रेम दत्त, किशन किशोर, निर्भय शंकर झा, श्याम देव प्रसाद, द्वारिका प्रसाद, देवराज, सुनील कुमार, हरीलाल के अलावा पीआईबी के निदेशक दिलीप शुक्ला, मीडिया एवं संचार अधिकारी प्रशांत कक्कड़ और सुंदरम चौरसिया आदि ने सक्रिय योगदान दिया।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062